13 राजस्थान में मध्यकालीन प्रशासन व सामंती व्यवस्था

1. मारवाड़ में मृत पशुओं की कच्ची खालों पर लगने वाली एक प्रमुख लाग थी–
(1) भावां लाग   (2) तिवारा लाग
(3) अखराई लाग   (4) न्यौता लाग   (1)

2. कोटा राज्य में प्रधानमंत्री पद के लिए किस शब्द का प्रयोग होता था?
(1) फौजदार   (2) मुसाहिब
(3) मुख्त्यार   (4) शिकदार   (1)

3. जयपुर राज्य में भूमि संबंधी रिकॉर्ड किस नाम से जाता था?
(1) खसरा   (2) तजकीरा
(3) अड़सट्टा   (4) छूट के कागद   (3)

व्याख्या– अड़सट्टा में जयपुर राज्य के परगनों में जितने मौजे थे, उनकी भूमि, पैदावर आदि का वर्णन मिलता है।

4. जोधपुर राज्य में विधवा के पुनर्विवाह पर लिया जाने वाला कर था?
(1) नाता बराड़   (2) नाता कागली
(3) कागली   (4) छेली राशि   (3)

व्याख्या– विधवा के पुनर्विवाह पर प्रति विवाह एक रुपये की दर से कागली या नाता कर लिया जाता था।

5. किस राज्य में सामंतों का विभाजन बारह कोटड़ी पर आधारित था?
(1) जयपुर   (2) मेवाड़
(3) मारवाड़   (4) कोटा   (1)

व्याख्या– कच्छवाहा शासक पृथ्वीराज के 17 पुत्र थे, जिनमें से 12 पुत्रों के नाम से स्थायी जागीरे चली, जो 'बारह कोटड़ी' कहलाई।

6. राजस्थान में विभिन्न रियासतों में कवियों, दरबारियों व अन्य श्रेष्ठ व्यक्तियों को राजपरिवार की तरफ से सम्मान/पुरस्कार दिया जाता था जिसे 'सिरोपाव' कहा जाता था, मारवाड़ का सर्वोच्च सिरोपाव था?
(1) घोड़ा सिरोपाव   (2) हाथी सिरोपाव
(3) कड़ा दुशाला सिरोपाव   (4) मदील सिरोपाव   (2)

7. राजपूत सरदार महल या झौंपड़ी के बदले कोटड़ी शब्द को अधिक सम्मान सूचक मानते थे। जयपुर राज्य के किस शासक के समय से ही जागीरदारों को 'कोटड़ी' कहा जाने लगा था?
(1) मानसिंह   (2) भारमल
(3) जयसिंह   (4) प्रतापसिंह   (2)

8. मध्यकाल में वह कौनसी लाग की प्रथा थी, जिसमें प्रायः उपज का एक बट्टे तीन भाग पर राज्य का अधिकार होता था, जिसे 'भाओली' भी कहा जाता था?
(1) बीघोड़ी   (2) जब्ती
(3) लाटा   (4) गल्ला बक्शी   (4)

व्याख्या– भाओली प्रणाली को बंटाई प्रथा, गल्ला बक्शी तथा दानाबंदी भी कहा जाता था। इस प्रणाली में राजस्व का निर्धारण तीन प्रकार से होता था– खेत बँटाई, लंक बँटाई व रास बँटाई।

9. उच्च वर्ग के लोगों या विद्वानों को राजस्व मुक्त भूमि अनुदान के रूप में दी जाती थी, यह भूमि क्या कहलाती थी?
(1) माफी   (2) जीविका
(3) जूनी जागीर   (4) मदद–ए–माश   (4)

व्याख्या– मुगल साम्राज्य में 'मदद–ए–माश' को 'सयूरगल' भूमि भी कहा जाता था।

10. दयालदास री ख्यात से ज्ञात होता है कि जोधपुर में........... सेना का प्रधान सेनापति होता था।
(1) फौजदार   (2) अमात्य
(3) मुसाहिब   (4) मुत्सद्दी   (3)

व्याख्या– दयालदास की ख्यात से ज्ञात होता है कि स्वरूप सिंह के काल में मुसाहिब सेना का प्रधान सेनापति था। जोधपुर के महाराजा मानसिंह का प्रथम मुसाहिब इन्द्रराज सिंघवी था।

11. महाराजा जसवंतसिह II (जोधपुर) के काल में उनके छोटे भाई सर प्रताप सिंह को कौनसा पद प्राप्त था?
(1) मुत्सदी   (2) मुसाहिब आला
(3) दीवान–ए–खास   (4) देश दीवान   (2)

व्याख्या– मुसाहिब का पद उदयपुर में 'मुत्सद्दी' के नाम से जाना जाता था।

12. निम्नलिखित में से असत्य विकल्प का चयन करें।
(1) प्रत्येक किसान के परिवार के प्रत्येक सदस्य से 1 रु. की दर से वसूला जाने वाला कर अंगा कर या अंग लाग कहलाता था।
(2) राज्याभिषेक, जन्मदिन तथा त्योहारों के अवसर पर लगने वाले दरबारों के समय सामन्तों, जागीरदारों, मुत्सद्दी व अधिकारियों द्वारा राजा को दी जाने वाली भेंट 'नजराना' कहलाती थी।
(3) कांसा लाग दीपावली और होली जैसे पर्वों पर वसूला जाने वाला कर है।
(4) गाँव के घरों व गुवाड़ियों की गिनती करके निर्धारित दर से हासल वसूल कर लिया जाता था। जिसे 'भींत की भाछ' कहा जाता है।   (3)

व्याख्या– दीपावली और होली जैसे पर्वों पर वसूला जाने वाला कर तिवारा कर कहलाता है।

13. भूमिकर वसूली के लिए एक सहायक कर्मचारी को किस नाम से जाना जाता था, जो परगने की उपज का लेखा–जोखा व भूमि संबंधी दस्तावेजों को सुरक्षित रखता था?
(1) कानूनगो   (2) शिकदार
(3) शहना   (4) कारकून   (1)

14. नरनाल, गजनाल व शूरतनाल किसके नाम है?
(1) मेवाड़ में छोटे नदी–नालों के (2) तोपों के प्रकार
(3) आदिवासियों के तीर–कमान
(4) विभिन्न राज्यों में घोड़े बांधने के स्थान   (2)

व्याख्या– नरनाल (सैनिक द्वारा पीठ पर ले जाई जाने वाली तोप), गजनाल (जो हाथियों पर ले जाई जाने वाली तोप) व शूतरनाल (ऊँटों पर लादी जाने वाली तोप)।

15. खारखार, कांसा, शुकराना, हासा, माचा, हल आदि प्रमुख लागें किस रियासत में प्रचलित थी?
(1) मेवाड़ (2) मारवाड़
(3) जयपुर (4) जैसलमेर (2)

व्याख्या– मारवाड़ में जागीर क्षेत्र में खारखार, कांसा, शुकराना, हासा, माचा व हल आदि प्रमुख लागें थी।

16. कागली या नाता कर को मेवाड़ राज्य में क्या कहा जाता था?
(1) नाता बराड़ (2) नाता कागली
(3) नाता (4) छेली रासी (1)

17. किस राज्य में लूट–खसोट से राज्य को बचाने के लिए नए सैनिक दायित्वों की पूर्ति हेतु रूखवाली भाछ लागू की गई थी?
(1) जोधपुर (2) उदयपुर
(3) बीकानेर (4) कोटा (3)

18. मुगल संबंधों के प्रभाव से राजपूताना में भी राज्यों को परगनों में बांटा गया, प्रत्येक परगने में लगभग कितने मौजे (गांव) हुआ करते थे?
(1) 10 (2) 15
(3) 20 (4) 25 (3)

19. मारवाड़, मेवाड़ व बीकानेर राज्यों में परगने का मुख्य अधिकारी हाकिम, होता था, इसी प्रकार जयपुर राज्य में परगने का मुख्य अधिकारी क्या कहलाता था?
(1) फौजदार (2) हवालगिर
(3) दीवान (4) देश दीवान (1)

20. हवाला, जागीर, भौम, सासण किसके प्रकार है?
(1) भूमि (2) सेना
(3) घुड़सवार (4) धर्म व दान संबंधि विभाग (1)

21. बीकानेर राज्य में सीमा शुल्क, आयात–निर्यात तथा चुंगी कर को सामूहिक रूप से किस नाम से जाना जाता था?
(1) नियोत (2) राहदारी
(3) बारूता (4) जकात (4)

व्याख्या– जयपुर तथा जोधपुर राज्यों में इसे 'सायर' कर कहा जाता था।

22. बंटाई प्रथा में राजस्व का निर्धारण तीन प्रकार से होता था, उन तीनों प्रकारों के नाम बताइए?
(1) खेत बंटाई, घर बंटाई, रास बंटाई
(2) खेत बंटाई, रास बंटाई, बीघा बंटाई
(3) खेत बंटाई, लंक बंटाई, रास बंटाई
(4) रास बंटाई, लंक बंटाई, बीघा बंटाई (3)

23. राजपूत शासकों द्वारा बादशाह या शहजादों को भेजा जाने वाला लिखित प्रार्थना–पत्र क्या कहलाता था?
(1) रूक्का (2) परवाना
(3) मन्सूर (4) अर्जदाश्त (4)

24. बीकानेर शासक गंगासिंह ने ऊँटों की सेना तैयार कर उसे क्या नाम दिया था, यह सेना दल अपने राज्य से बाहर अंग्रेजों की सहायतार्थ जाता रहता था?
(1) माधव रिसाला (2) राज्य रिसाला
(3) गंगा रिसाला (4) बीकानेर रिसाला (3)

25. अधिकारियों के खाने–पीने के खर्च के लिए कौनसा कर लिया जाता था?
(1) हुजदार (2) सिराणा
(3) दस्तूर (4) खूंटा (2)

26. 'खास रूक्का' एक प्रकार का बुलावा पत्र होता था, किस श्रेणी के सामंतों को दरबार में उपस्थित होने के लिए यह पत्र भेजा जाता था?
(1) प्रथम श्रेणी (2) द्वितीय श्रेणी
(3) सामान्य सामंतों (4) तृतीय श्रेणी (1)

27. निम्न में से कौनसा एक 'दस्ती' तोप का प्रकार था, जिसे युद्ध स्थल तक ऊँटों द्वारा ले जाया जाता था?
(1) नरनाल (2) शूतरनाल
(3) गजनाल (4) रककला (2)

28. किसके द्वारा परगने की रिपोर्ट राज्य के दीवान के पास भेजी जाती थी।
(1) पोतदार (2) खुफिया नवीस
(3) हाकीम (4) अमीन (2)

29. अधिकारियों के आदमियों के खान–पान के खर्चे के रूप में कौनसा कर लिया जाता था?
(1) नाली (2) सिराणा
(3) हुजदार (4) कांसा (3)

30. किस रियासत में बंटाई के समय सहणा, बलाई, पटवारी, पटेल, फौजदार, किलेदार आदि कर्मचारियों के नाम से भी लागतें वसूल की जाती थी?
(1) जयपुर (2) मेवाड़
(3) मारवाड़ (4) बीकानेर (2)

Dhindhwal Publication

राजस्थान की सभी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए सर्वश्रेष्ठ पुस्तकें –

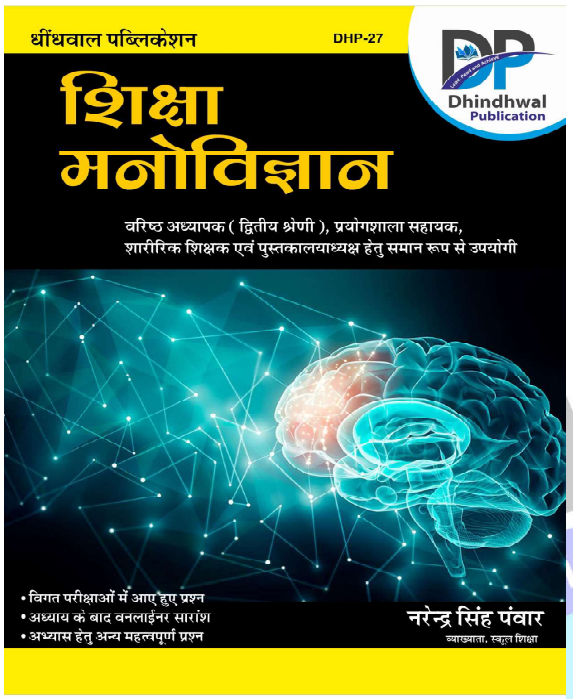

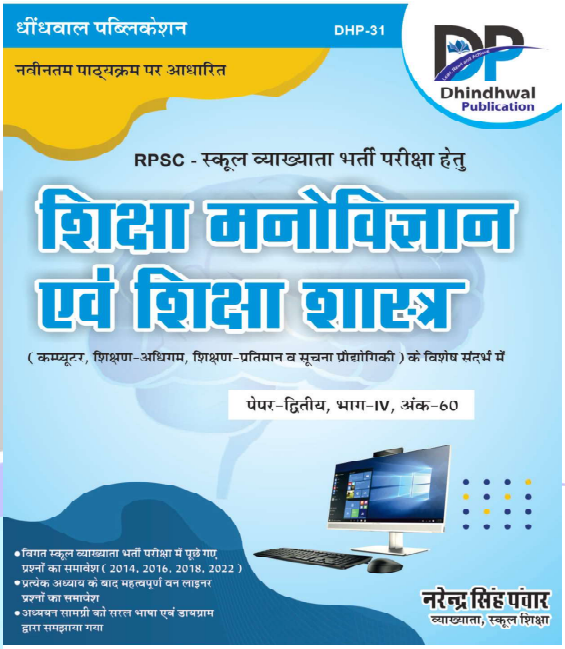

टेलीग्राम से जुड़ने के लिए

@DHINDHWAL2023GK

- Dhindhwal Publication
- धींधवाल पब्लिकेशन
- Dhindhwal Classes
- @Publication-DP
- Dhindhwal Publication

धींधवाल पब्लिकेशन की उपरोक्त पुस्तकें राजस्थान के सभी शहरों में प्रमुख बुक स्टोर पर उपलब्ध है। ऑनलाईन ऑर्डर कर घर बैठे मंगवाने के लिए मोबाईल नंबर 7725969600 (कानाराम जी) पर फोन या वाट्सअप मैसेज करें।